

10/6/25 पत्रावली पेश हुई। वकील अभ्यपक्ष उपस्थित।
व्यक्त हेतु अवसर चाहा, जो दिया गया।
पूर्व आदेश दि. 05/07/2021 की अवधि दिनांक
21/07/25 तक बढ़ायी जाकर पत्रावली वाले
व्यक्त दि. 21/07/25 को पेश हो।

[Signature]
10/6/25

21/7/25 पत्रावली पेश हुई। वकील अभ्यपक्ष उपस्थित।
व्यक्त अभ्यपक्ष सुनी गयी। पत्रावली वाले
आदेश प्रावधान धारा-212 R.T. Act दि. 26/8/25
को पेश हो।

[Signature]
21/7/25

26/8/25 पत्रावली पेश हुई। वकील अभ्यपक्ष उपस्थित।
प्रावधान के प्रावधान से पत्रावली का अवलोकन किया
गया। आरंभ प्रतीति का कथन है कि प्राम
सुवास तहसील रामपुर की वास्तव आरम्भ खाता
ए 69 गिना 9 रकबा 8, 8398 hoo एवं खाता न
11 गिना 6 रकबा 1, 2953 hoo प्रतीति के डाटा पगलनय
के खाते दल होने से पैदा संपत्ति है और
इसलिए प्रतीति का प्राम से ही 1/2 भाग जिम्मे
है। आरंभ प्रतीति का कथन है कि वास्तव आरम्भ
पगलनय की संपत्ति समझी है और अभी तक
प्रतीति के पिता/पति सुदेश का हिल्ला तक



रुल नहीं हुआ है। आपका इस तथ्य पर सहमत है कि जगन्नाथ की जीवित है और जगन्नाथ के 03 पुत्र - मुदेश, 03 पुत्रियां - रोशनकाई, जगन्काई व सहायताकाई तथा बेबा डाली काई भी जीवित हैं। इस तथ्य पर भी सहमत है कि आपकी 2 मुदेश के 3 पुत्र - कमलेश व सुवराज तथा 2 पुत्रियां - यशोदा व रानी एवं एक इस्त्री पतिन भी हैं।

अतः यदि बडवाल आपकी जो प्राचीण की पैतृक सम्पत्ति मान लिया जावे और डाटा जगन्नाथ के खाने दफ्त होने पर भी National share तैयार होना मान भी लिया जावे तो आपकी 2 का National share $\frac{1}{5}$ भाग होगा मिलना प्रती 1 का National share $\frac{1}{5} \times \frac{1}{5} = \frac{1}{25}$ भाग होगा। प्रती 2 छल का कोई National share (the Hindu Succession Act में कोई प्रावधान नहीं है) नहीं बनेगा।

बडवाल आपकी अनी आपकी कुल 1 जगन्नाथ के सहकारी दफ्त है और प्राचीण द्वारा ऐसा कोई भी दस्तावेजी लाक्ष्य पेश नहीं किया है जिससे यह साबित हो कि यह आपकी जगन्नाथ की विरासत (inheritance)



मिली है। Shyam Narayan Prasad v/s Krishna Prasad 2018, S. Sampooranam v/s C.K. Shanmugam 2022, Sarvanma v/s U.R. Vinayakshaib 2010 and Gurdip Kaur v/s Shamand Singh 1964 काई मामलों से प्रतिपादित गिया है कि "पतुर्ष पुरुष पीढी से विरासत में प्राप्त अविभाजित संपत्ति पैतृक संपत्ति होती"।

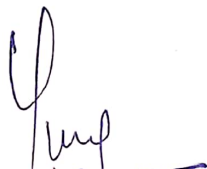
अतः बडवाल श्री यशु Great Grand father से अविभाजित रूप से विरासत में प्राप्त होने का कोई Documentary evidence

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
----------------	---------------------------------------	--

~~प्रवाली पर प्रवाली द्वारा पैसा नहीं~~
~~होने से वाइवले प्रवाली पैसा देकर~~
~~साबित नहीं होती है। साथ में, वाइवले~~
~~अपनी प्रवाली 1 के पिता को अपनी तक~~
~~विरासत से प्राप्त नहीं होकर, पगनाथ~~
~~के ही खाने दस है और इलाके पगनाथ~~
~~(दादा) के जीवन काल में National share~~
~~claim नहीं कर सकते हैं।~~

उपरोक्त विवेचन के आधार पर
 प्रवाली का अर्ज पत्र प/स 212 RT स्वीकार
 किया जाता है। प्रवाली फैसलशुमा होकर
 नम्बर से कम होकर मूल वास के साथ
 सलपते ही।




 उपखण्ड अधिकारी
 पिडावा, जिला झालावाड़ (राज.)